IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

समाज पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन

जगदीश

शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, पीलीबंगा, हनुमानगढ़, राजस्थान

डॉ0 रितु शर्मा

शोध पर्यवेक्षक, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, पीलीबंगा, हनुमानगढ़, राजस्थान

सारः–

सोशल मीडिया का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा है, जो लोगों को जोड़ता है और सूचना का प्रसार करता है, लेकिन यह मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, गलत सूचनाओं और सामाजिक अलगाव का कारण भी बनता है। इसके सकारात्मक पहलुओं में वैश्विक कनेक्टिविटी, सामाजिक सक्रियता और रचनात्मक अभिव्यक्ति शामिल हैं। दूसरी ओर, यह चिंता, अवसाद, आत्म–सम्मान में कमी और वास्तविक जीवन से दूर होने जैसे नकारात्मक प्रभाव भी पैदा करता है। आज के समय में सोशल मीडिया प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार एक दूसरे के पास पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। सूचना एवं संचार के बढ़ते साधनो में संसार में क्रांति ला दी है। भारत में अधिकाश जनता इंटरनेट का प्रयोग करती हैं और लगभग 75–80 प्रतिशत जनंसख्या सोशल मीडिया का प्रयोग कर रही है। सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव है। साथ ही सोशल मीडिया के उपयोग के द्वारा लोग आतंकवाद, साइबर क्राइम और धोखाधड़ी जैसी वारदातों में भी लिप्त हो रहे है। प्रस्तुत शोध में सोशल मीडिया के उपयोग द्वारा समाज पर पड़ रहे सकारात्मक प्रभाव एवं नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया गया है।

मुख्य बिन्दुः–सोशल मीडिया, साइबर क्राइम, संचार साधन, इंटरनेट.

प्रस्तावनाः–

मार्शल मैकलुहनः– ने कहॉ है'' माध्यम ही संदेश है।'' अर्थात माध्यम की प्रभावशीलता ही संदेश की प्रभावशीलता है। वर्तमान में सोशल मीडिया संसार को जोड़े रखने वाला एक अपरंपरागत साधन है जिसनके माध्यम से बहुत तीव्र गति से सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जा रहा है। अर्थात सोशल मीडिया का क्षेत्र विश्वव्यापी है। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से बिलकुल अलग है। सोशल मीडिया एक वर्चुअल बर्ल्ड का इंटरनेट के माध्यम से निर्माण करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्ति, समूह, सस्था यहॉ तक की देश की आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति को समृद्ध बनाया जा सकता है। इस तरह सोशल मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव है पर साथ ही कुछ लोगों के द्वारा इसका गलत प्रयोग करके कई बार ऐसी जानकारी जानबूझकर दी

जाती है जिसका समाज पर प्रभाव प्रतिकूल होता है। साइबर क्राइम में लिप्त होना समाज पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव ही है।

सोशल मीडिया का अर्थ है ऐसी वेबसाइटें और एप्लिकेशन जो उपयोगकर्ताओं को सामग्री बनाने और साझा करने या सोशल नेटवर्किंग में भाग लेने में सक्षम बनाती हैं। ज्ञान ही शक्ति है। हम सभी इस कहावत को मानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग सोशल मीडिया की भूमिका को समझते हैं। यह सूचना का प्रवाह है जो ज्ञान में वृद्धि करता है। आज की दुनिया में, सोशल मीडिया हमारी संस्कृति, हमारी अर्थव्यवस्था और दुनिया के बारे में हमारे समग्र दृष्टिकोण को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया एक नया मंच है जो लोगों को विचारों का आदान–प्रदान करने, जुड़ने, किसी उद्देश्य के लिए एकजुट होने, सलाह लेने और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक साथ लाता है। सोशल मीडिया ने संचार बाधाओं को दूर किया है और विकेंद्रीकृत संचार चौनल का निर्माण किया है और सभी के लिए अपनी बात रखने और भाग लेने के द्वार खोले हैं। यह छात्रों जैसे समान रुचि आधारित समूहों को अपनी कक्षा के बाहर सहयोगी समूह परियोजनाओं में काम करने में सक्षम बनाता है। यह शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजनीति, नस्ल, स्वास्थ्य, रिश्ते आदि जैसे कई मुद्दों पर विभिन्न प्रकार के टिप्पणीकारों के साथ रचनात्मकता और सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके कई लाभ भी हैं, जैसे कि हमें दुनिया भर में दोस्तों और परिवार के साथ आसानी से जुड़ने की अनुमति देना, जिससे हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं और सांस्कृतिक बाधाओं को तोड़ सकें।

सोशल मीडियाः–

सोशल मीडिया अध्ययन से संबंधित एक नया क्षेत्र है। सोशल मीडिया का विकास निरंतर हो रहा हैं यह 2.0 बेल तकनीकी के रूप में है यह ऑनलाइन बेबसाइट्स के माध्यम से लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है। सोशल मीडिया ऑडियो, वीडियों तथा टैक्स्ट तीनों को सम्मिलित रूप प्रस्तुत करता है।

डेबिड लेंड्सबर्गेन (2010) :–

''सोशल मीडिया उपकरणों का एक मंच है जो सामाजिक संचार की सभी आवश्यकताओं को पूरा करते है।''

व्यक्ति को सुगमता से इंटरनेट उपयोग करने की इजाजत देता है साथ ही यह टेक्स्ट के साथ–साथ ऑडियो, वीडियो में व्यक्तियों के द्वारा अपना खाता (Account) बनाना होता है जिसके द्वारा विभिन्न सोशल साइट्स का प्रयोग एक दूसरे को संदेश संप्रेषित करने के लिए किया जाता है। आज सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने देश के किसी भी कोने में रह रहे दोस्तों, रिश्तेदारों, सगे संबंधियों से एक क्लिक के द्वारा एक दूसरे के सामने आ जाते हैं और एक साथ एक से अधिक व्यक्तियों के साथ जुड़कर अपने विचारो का आदान–प्रदान करते है। सोशल मीडिया आज के युग में युवा वर्ग में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। सोशल मीडिया की विभिन्न साइट्स फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सअप, इस्टाग्राम, गूगल, लिंक्डइन, यून्ट्यूब, टेलीग्राम, मीटअप आदि है।

समाज पर सोशल मीडिया का प्रभावः–

सोशल मीडिया किसी भी समाज को बनाने तथा किसी भी समाज को नष्ट भी कर सकता है। यह यूजर्स पर निर्भर है कि वह सोशल मीडिया पर किस साइट्स का उपयोग किस तरह कर रहा है। यदि अध्ययन अध्यापन के कार्य में कुछ ज्ञान अर्जित करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है तो एक उच्च स्तरीय अच्छे जीवन के लिए अग्रसर होते है। वहीं

यदि सोशल मीडिया का उपयोग केवल समय गुजारने के लिए किया जाता है तो हम अपने कीमती समय गंवा देते है। और किसी भी प्रकार का ज्ञान प्राप्त नहीं हो पाता है अर्थात् इसका उपयोग करके जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है। तथा दुरपयोग से व्यक्ति अपने जीवन में अंधकार की ओर चला जाता है।

समाज पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभावः–

सोशल मीडिया प्रगति पथ का एक स्तंभ माना जा सकता है। सोशल मीडिया के सही प्रयोग के द्वारा व्यक्ति प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है समाज के विकास में सूचनाओं का प्रचार–प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम हैं। लोकतंत्रिक समाज में मीडिया के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति की आवाज को सरकार तक तथा सरकार की बात जनता तक पहुॅचाई जाती है। सोशल मीडिया प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात खुलकर सबके सामने रखने का एक खुला मंच प्रस्तुत करती है। वर्तमान समय में शिक्षा के प्रचार–प्रसार में भी सोशल मीडिया एक अहम भूमिका निभा रहा है। अधिकांश विश्वविद्यालयों के द्वारा कई प्रकार के पाठ्यक्रम ऑनलाईन उपलब्ध कराये जा रहे है। कई ट्यूरोरियल ऑनलाइन बेबसाइट्स के माध्यम से लोगों की सीखने का अवसर प्रदान करती है। e-mail और वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के द्वारा अपने विचारों का आदान–प्रदान किया जाता हैं। देश का मुख्य व्यवसाय कृषि जिसके विकास के लिए सरकार द्वारा कई ऐसे ऑनलाईन पोर्टल प्रारंभ किये गए है जिसके द्वारा कृषि की नई तकनीकों एवं कृषि से संबंधित विभिन्न प्रकार की बीज बोने से लेकर फसल काटने तक सभी निर्देश बसूबी दिखाये एवं सिखाये जाते है। जिससे हम अपनी कृषि को और अधिक अन्नत तरीके से कर सकते हैं।

भारतीय समाज में सोशल मीडिया के कुछ सकारात्मक प्रभाव निम्नलिखित हैं–

- हाल ही में कोविड–19 महामारी के दौरान, शिक्षा सबसे बुरी तरह प्रभावित गतिविधियों में से एक थी। सोशल मीडिया को धन्यवाद, जिसने ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से लाखों छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो अन्यथा इससे वंचित रह जाते।
- अकादमिक शिक्षा विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके सोशल मीडिया पर प्रदान की जाती है, जिनमें ब्लॉग, पॉडकास्ट, ई–लर्निंग, एम–लर्निंग आदि शामिल हैं।
- दिलचस्प बात यह है कि सोशल मीडिया की शैक्षणिक भूमिका केवल अकादमिक शिक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बहुत व्यापक है और इसमें समसामयिक मामले, राजनीति, पर्यावरण आदि सहित विभिन्न विषयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने जैसे आयाम भी शामिल हैं।
- आज सोशल मीडिया दूर–दराज के स्थानों पर रहने वाले परिवारों, मित्रों और रिश्तेदारों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- लोग इंटरनेट कनेक्शन के साथ किसी भी समय, कहीं से भी, अपने पास उपलब्ध डिजिटल डिवाइस का उपयोग करके तुरंत जुड़ सकते हैं।
- टेक्स्टिंग और वॉयस कॉल के अलावा, वीडियो कॉल भी संपर्क का एक प्रमुख तरीका बन गया है।

समाज पर सोशल मीडिया के नकारात्क प्रभावः–

सोशल मीडिया पर जहॉ सकरात्मक प्रभाव मानव है बहीं दूसरी ओर व्यक्तियों पर इसके नकारात्मक प्रभावों का भी असर होता है। कहते है ''एक सिक्के के दो पहलू होते है।'' इसी तरह सोशल मीडिया का एक तरफ समाज पर सकरात्मक प्रभाव पड़ा हैं। और दूसरी ओर नकारात्मक प्रभाव भी व्यक्ति पर है। सोशल मीडिया के माध्यम से कई झुठी खबरों को फैलाया जाता है। समाज का युवा वर्ग सोशल मीडिया से अधिक प्रभावित हैं वयस्क फिल्मों को देखने की आयु लगभग 18 वर्ष या इससे अधिक है किन्तु आज सोशल मीडिया के प्रयोग से बाल वर्ग किशोर भी इस प्रकार से वयस्क फिल्मों को देखते है। म्यांमार में मुस्लिम समुदाय के लागों पर अत्याचार असम हिंसा, कई शहरों मे प्रदर्शन बेहद संवेदनशील मामले है जिन्हें सोशल मीडिया के द्वारा फैलाया गया था। साइबर, क्राइंम, हैकिंग आदि सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव ही है।

निष्कर्षः–

निष्कर्ष तौर पर कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार प्रस्तुत करने का खुाल मंच है। सोशल मीडिया के द्वारा जहॉ एक ओर जनचेतना का आगाज हुआ वही दूसरी ओर समाज विरोधियों ने इसका गलत प्रयोग भी किया हैं। तेजी से सूचना साझा करने के सकारात्मक लाभों के बावजूद, सोशल मीडिया लोगों को झूठी पहचान और सतही संबंध बनाने में सक्षम बनाता है और अवसाद का कारण बनता है। इस शोध में, मैंने संचार के इस बिना सेंसर और बिना निगरानी वाले नए माध्यम से होने वाले नुकसानों का पता लगाया है, जो हम सभी को सामाजिक सामंजस्य के क्रमिक विघटन और हमारी पारंपरिक मूल्य प्रणालियों के विनाश के लिए उजागर करता है, जब तक कि हम यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी नहीं लेते कि सोशल मीडिया और उसके प्रभावों के बारे में हमारी समझ का मूल्यांकन दुनिया में हो रही घटनाओं के साथ लगातार किया जाता रहे। सोशल मीडिया तेजी से विकसित हो रहा है जिसकी जनमानस को आदत हो गई है। सोशल मीडिया के सकारात्मक पहलू के साथ–साथ इसके उपयोग के द्वारा समाज में बढ़ते साइबर क्राइम को भी नजरअंदाज नही किया जा सकता है। वर्तमान समय में आवश्कयता है सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों के प्रति जागरूकता की जिससे व्यक्तियों के द्वारा उसका गलत प्रयोग न करके उसके सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दिया जायें।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. सिंह, शैलेंद्र। (2023). डिजिटल विभाजन और सोशल मीडिया, एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी और समाज, 22(2), 89101
2. कुमार.सु. (2022) इंटरनेट पत्रकारिता, नई दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन
3. India. New Delhi. Sage Publications (2019)
4. Journalism in India. New Delhi. Sage Publications.
5. सोनी, सु, (2021) नीवन मीडिया प्रविधियॉ, जयपुर बुक एनक्लेव,
6. Arya, N (2023) आधुनिक प्रभाव एवं कार्य
7. Sharma. वि. (2021) Media Achivers, Jaipur Publication Harshloack Publication.
8. जैन, प्रिया। (2024). सोशल मीडिया और निजता के अधिकार मनोरंजन और मीडिया, 10(4), 5668.
9. सिंह, शैलेंद्र। (2023). डिजिटल विभाजन और सोशल मीडिया, एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी और समाज, 22(2), 89101